

राजस्थान में किसान आन्दोलन

For All Exam

REET Mains 2023

RSMSSB के चयनित प्रश्न

100%

इसे तो रट ही लो

SSC 2023

**CGL
GD**

COURSE

**CHSL
MTS**

टॉपिक्स / सब्जेक्ट वाइज

सम्पूर्ण नोट्स PDF

विषयवार ई-बुक

सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान सामान्य ज्ञान

All Test Quiz

For All Exam's

राजस्थान के किसान आंदोलन

① बिजौलिया किसान आंदोलन :- (1897-1941)

बिजौलिया :-

- प्राचीन नाम → विजयावल्ली
- राणा सांगा ने अशोक परमार को उपरभाल (उतगारि) ठिकाना दिया था।
- इसका मुख्यालय बिजौलिया था।
- अशोक परमार ने ^{खानवा} ~~बिजौलिया~~ युद्ध में भाग लिया था।
- बिजौलिया मैवाड़ का प्रथम ब्रैणी ठिकाना था।
- वर्तमान भीलवाड़ा जिले में है।

कारण :-

- 84 प्रकार के टैक्स
- अधिक भूराजस्व
- लाटा-कुत्ता
- चंवरी कर → कृष्ण सिंह द्वारा बीसी शर्मा पर कर 5 रु (1903 में)
- तलवार बहाई कर → 1906 में कृष्ण सिंह द्वारा
- यह आंदोलन तीन चरणों में हुआ।

⇒ प्रथम चरण :- (1897-1914)

- ग्रह आंदोलन धाकड़ पार्टी के किसानों द्वारा किया गया।
- शिरधर पुरा, नामड गाँव से शारम्भ हुआ।
- साधु सीताराम दास के कहने पर नानजी पटेल व ठाकरी पटेल मैवाड़ के महाराणा फतेह सिंह के पास शिकायत के लिए गये।
- हामिद को जॉच के लिए भेजा गया।
- प्रथम चरण में किसानों को सफलता नहीं मिली।
- स्थानीय नेता
 - हेमचन्द भील
 - फतहचरण चरण
 - ब्रह्मदेव

द्वितीय चरण :- (1915-1923)

- नेता :-
 - विष्णुसिंह पाथिक
 - भाहिभूम लाल वर्मा
- ऊपरमाल पंच बोर्ड :-
 - 1914 में विष्णुसिंह पाथिक द्वारा स्थापित
 - गाँव - बैरिखाल
 - हरिभाली अमावस्था के दिन
 - अध्यक्ष - मन्ना पटेल
- विष्णुसिंह पाथिक ने ऊपरमाल सेवा समिती की स्थापना की तथा एक समाचार पत्र → ऊपरमाल का डंका निकाला
- 1919 में मैवाड़ सरकार ने बिन्दुलाल भट्टाचार्म आयोग बनाया।
- 1922 में किसानों के 35 रु. रु. रु. कर दिये गये।
- इनके हयासौ से समझौता
 - AGC → रॉबर्ट हॉलवुड
 - PA → विलकिन्स
- विर्जीलिया के सार्भत ने समझौते को मानने से मना कर दिया।

⇒ तीसरा चरण :- (1923-1941)

- विजयसिंह पाथिक के कहने पर किसानों ने अपनी जमीन साभंत को दे दी। उसने जमीनों को जब्त करके बैच दी।
- 1927 में विजयसिंह पाथिक आंदोलन से अलग हो गये।
- गांधीजी ने आंदोलन के लिये जमनालाल बजाज को भेजा।
- जमनालाल बजाज ने हरिभाऊ उपाध्याय को नेता बनाया।
- 1941 में मैवाड़ के सुधासूत्री, वी राधवाचारी, तथा राजस्व मंत्री मोहन सिंह मेहता ने समझौता किया। किसानों के कर माफ कर दिये गये तथा उनकी जमीनें वापस दे दी।
- लगातार 44 वर्षों तक चलने वाला विश्व का सबसे लम्बा अहिंसक आंदोलन था।
- राजस्थान का पहला संगठित किसान आंदोलन था।
- तिलक ने मराठा समाचार पत्र में आंदोलन के पक्ष में लिखा।
↳ तिलक ने मैवाड़ महाराणा फतेह सिंह को पत्र लिखा।
- गणेश शंकर विद्यार्थी ने प्रताप समाचार पत्र में आंदोलन के पक्ष में लिखा। यह समाचार पत्र जानपुर से प्रकाशित हुआ। विजयसिंह पाथिक ने गणेश शंकर विद्यार्थी को चाँदी की राखी भेजी।
- प्रेमचंद का रंगभूमि उपन्यास विजोलिया किसान आंदोलन पर आधारित है।
- मा० लाल वर्मा पंढीड़ा गीत के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित करते थे।
- भोंवर लाल जी ने भी अपने गीतों के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित किया।

② बैंगू किसान आंदोलन :-

- बैंगू मेवाड़ रियासत का प्रथम श्रेणी किसान था। वर्तमान चित्तौड़ जिले में है।
- धाऊड़ जाति के किसान थे।
- 1921 में मैनाल नामक स्थान से किसानों ने आंदोलन शुरू किया
- बैंगू के सार्भत अनूप सिंह ने किसानों से समझौता कर लिया
- मेवाड़ महाराणा ने इस समझौते को मानने से इनकार कर दिया तथा इसे बौल्शेविक समझौता कहा। ट्रेड ने कहा था।
- मेवाड़ महाराणा ने ट्रेड को बॉयकोट करने के लिये भेजा।
- गोविन्द पुरा हत्याकाण्ड :- 13 July 1923
 - ट्रेड ने सभा में फायरिंग की
 - रूपाली धाऊड़ व रूपाली शहीद हो गये।

- आंदोलन के नेता :-
 - रामनारायण चौधरी
 - विजय सिंह पार्थिव → 10 Sept 1923 को गिरफ्तार कर लिया।

③ डूडी किसान आंदोलन / बरहड़ किसान आंदोलन :-

- डूडी किसान पंचायत :- 1920
 - गुर्जर किसान स्वार्थिक
 - संस्थापक - साधु सीतारामदास
 - अध्यक्ष - हरला भड़क

→ अप्रैल 1922 में आंदोलन शुरू हुआ।

→ डूडी हत्याकाण्ड :- 2 अप्रैल 1923 → गुर्जर स्वार्थिक किसान

→ पुलिस आधीकारी इकराम हसन ने फायरिंग।

→ नानक जी भील व देवीलाल गुर्जर शहीद हो गये।

→ नानक जी भील सज्जागीत गाते हुओं शहीद हुओं।

→ नेता :-

→ प० नयनूराम शर्मा (राज-सेवा संघ के संस्थापक)

→ भवंरलाल सुनार

→ नारायण सिंह

1924 में राज-सेवा संघ बंद हो गया अतः बैंगू किसान आंदोलन बंद हो गया

इस आंदोलन में महिलाओं ने भाग लिया

4) नीमूचणा किसान आंदोलन :-

→ नीमूचणा हत्याकाण्ड :- 14 मई 1925

→ छाजूसिंह ने फायरिंग की 1,156 किसान शहीद हो गये।

→ गांधी ने अपने संग इंडिया समाचार पत्र में इसे दौहरी डायर शही कहा। तथा इसे जालियावाला से भी भयानक बताया।

→ रियासत समाचार पत्र ने नीमूचणा हत्याकाण्ड की तुलना जालियावाला हत्याकाण्ड से की।

→ तरुण समाचार पत्र ने नीमूचणा हत्याकाण्ड को सचित्र प्रकाशित किया।

→ नीमूचणा किसान आंदोलन में राजपूत किसानों की संख्या अधिक थी।

5) सीकर/शेखावाटी किसान आंदोलन :-

→ सार्गत सिंह कल्याण सिंह द्वारा करो में बढ़ौतरी।

→ नेतृत्व - रामनारायण चौधरी

→ 1925 में पैथिक लॉरेन्स ने ब्रिटिश संसद में इस आंदोलन की चर्चा की।

→ लन्दन के डेली टेराल्ड समाचार पत्र में इस आंदोलन को प्रकाशित।

→ 1931 में जाट क्षत्रीय महासभा का गठन।

↳ प्रथम अधिवेशन - पलवाना (सीकर) - 1933

→ जाट प्रजापति महासभा :-

20 जनवरी 1934 (बसन्त पंचमी)

→ ठाकुर देवराज द्वारा आयोजन

→ पुरोहित - खेमचन्द शर्मा

→ मुख्य यज्ञपति → कुंवर हुकुम सिंह

→ कटरावल (सीडर) सम्मेलन :- 25 अप्रैल 1934



→ 10,000 से अधिक महिलाओं का सम्मेलन

→ कारण → सीडर के सामंत ने महिलाओं से दुर्व्यवहार किया

→ अध्यक्षता → किशोरी देवी

→ मुख्यवक्ता → उत्तमा देवी

→ कूदन हत्याकाण्ड :- 25 अप्रैल 1935



→ धापी देवी के कहने पर किसानों ने कुर देवे से बना कि

→ कैप्टन वेव ने फाथरिंग की।

→ चार किसान शहीद हो गए।

→ चैतराम

→ डीकराम

→ तुलछाराम

→ आशाराम

→ ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में इस हत्याकाण्ड की चर्चा हुई।

→ जयसिंहपुरा हत्याकाण्ड :- (सुन्सुनु)



→ 21 जून 1934

→ राजस्थान का पहला हत्याकाण्ड जिसमें किसानों के हत्यारों को सजा हुई।

GK/GS टॉप 1000 प्रश्न -

Download Now

राजस्थान GK हस्त ल खत नोट्स

DOWNLOAD NOW

भारत सामान्य ज्ञान टेस्ट-शुरू करे

RAJASTHAN GK E-BOOK - DOWNLOAD

RAJASTHAN GK TEST-START NOW

You  **Tube**



- **Rajasthan Gk PDF-** [क्लिक करे](#)
- **Hindi Test Quiz –** [क्लिक करे](#)
- **HINDI NOTES -** [क्लिक करे](#)
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**
- **INDIA GK TOP QUIZ–** [क्लिक करें](#)
- **RAJASTHAN GK QUIZ –** [क्लिक करे](#)
- **GENERAL SCIENCE–** [क्लिक करें](#)
- **HINDI SAMAS VIDEO–** [क्लिक करे](#)

Youtube Chanel – [Click Here](#)

Website – [Click Here](#)

Telegram Group – [Click Here](#)

